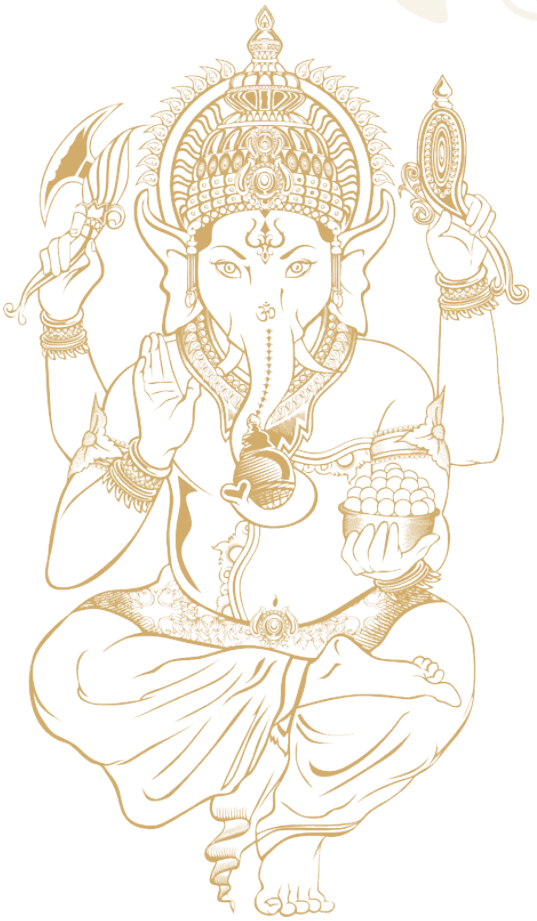

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119914504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/1994	जन्म तिथि	25/08/2000
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	06:10:00 घंटे
घटी 35:30:08	जन्म समय(घटी)	00:01:58 घटी
India	देश	India
Bhilwara	स्थान	Delhi
25:23:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:39:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:56	सूर्योदय	05:55:40
17:40:54	सूर्यास्त	18:50:05
23:47:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी
शुक्र 0वर्ष 1मा 26दि

राहु	
31/01/2018	
01/02/2036	
राहु	13/10/2020
गुरु	09/03/2023
शनि	13/01/2026
बुध	01/08/2028
केतु	20/08/2029
शुक्र	20/08/2032
सूर्य	14/07/2033
चन्द्र	13/01/2035
मंगल	01/02/2036

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
08:46:03	कर्क	लग्न	सिंह	10:32:35
19:29:29	वृश्चि	सूर्य	सिंह	08:15:43
26:33:45	धनु	चंद्र	मिथु	07:44:34
04:24:53	सिंह	मंगल	कर्क	21:32:57
14:47:35	वृश्चि	बुध	सिंह	11:14:14
05:22:59	वृश्चि	गुरु	वृष	15:21:54
11:22:16	तुला	शुक्र	सिंह	28:37:18
12:29:24	कुंभ	शनि	वृष	06:48:43
20:44:39	तुला व	राहु	कर्क	00:13:09
20:44:39	मेष व	केतु	मक	00:13:09
00:16:29	मक	हर्ष व	मक	24:26:27
27:51:49	धनु	नेप व	मक	10:35:28
04:46:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:17:41

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 6मा 17दि

गुरु	
13/03/2017	
13/03/2033	
गुरु	01/05/2019
शनि	11/11/2021
बुध	17/02/2024
केतु	23/01/2025
शुक्र	24/09/2027
सूर्य	12/07/2028
चन्द्र	11/11/2029
मंगल	18/10/2030
राहु	13/03/2033

लग्न-चलित

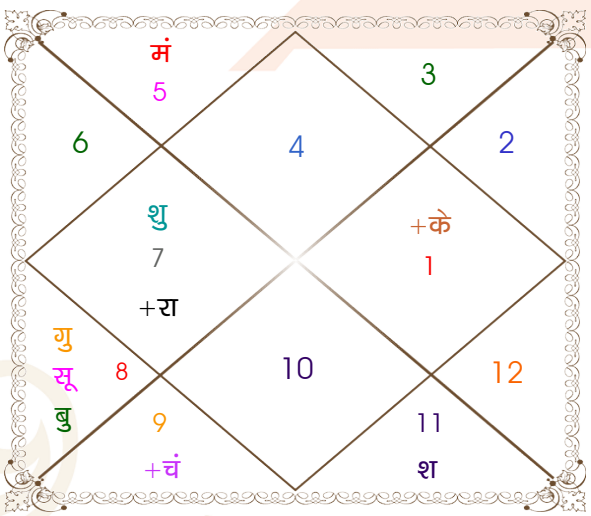

लग्न-चलित

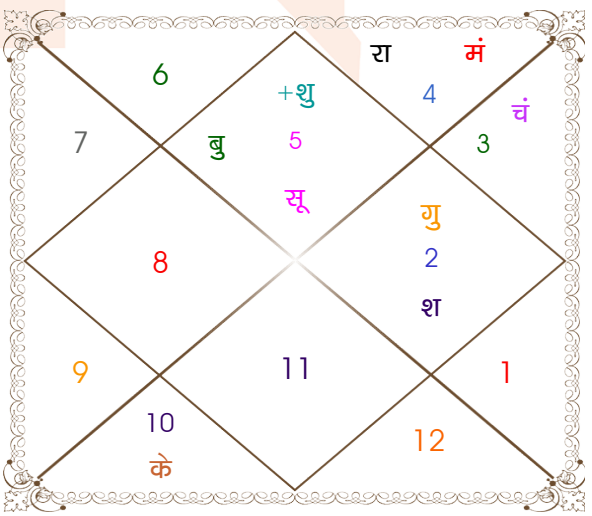

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।